नई दिल्ली, बुधवार
12 अगस्त, 2020
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+8=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

शुभ जन्माष्टमी

पैसेंजर कार की बिक्री पिछले वर्ष के स्तर पर पहुंचने के करीब 8
श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा 16 से फिर शुरू होगी 9

दैनिक जागरण
कचरे से आजादी
www.jagran.com

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2020
स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

धरा का किया जा रहा श्रृंगार

एक साल में 16 लाख किलो कूड़े की बनाई जा रही खाद

अजब सिंह भाटी ● ग्रेटर नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा में कूड़ा निस्तारण को अस्तौली गांव में बनने वाला डंपिंग ग्राउंड कागजों से नहीं निकल पाया है। विभिन्न सोसायटियों में बिल्डर सोसायटी से निकलने वाले कूड़े को आसपास ठिकाने लगा रहे है। हालांकि कुछ सोसायटी ऐसी है जहां बिल्डर सोसायटी से निकलने वाले कूड़े को खाद में तब्दील कर न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम योगदान दे रहे है, बल्कि सोसायटी को भी हरा-भरा बना रहे है। उन्हीं में से एक है ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी। सोसायटी में ठोस कूड़े के निस्तारण को पिछले कई सालों से मशीन लगी हुई है, जो फ्लैट से निकलने वाले कचरे को जैविक खाद में तब्दील करती है। गौर सिटी एक व दो में विभिन्न एवेन्यू है। करीब 20 हजार परिवार रह रहे हैं। सोसायटी प्रबंधन की माने तो हर दिन प्रत्येक फ्लैट से औसतन डेढ़ किलो कूड़ा निकलता है। प्रत्येक वर्ष 16 लाख किलो कूड़े को खाद में तब्दील किया जाता है।

ग्रेनो वेस्ट स्थित गौर सिटी के दस एवेन्यू में कूड़े का निस्तारण करते कर्मचारी ● जागरण

ऐसे खाद में तब्दील होता है कूड़ा : सोसायटी को कूड़ा मुक्त रखने के लिए सभी टावरों में कूड़ेदान रखे गए हैं। फ्लैटों में रहने वाले लोग गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग कूड़ेदान में रखते हैं, जिसे कर्मचारी उठाकर कंपोस्ट मशीन के पास एकत्र कर देते है। गीले कूड़े को आर्गेनिक वेस्ट कम्पोजीटर के जरिए खाद में आसानी से बदला जाता है, जबकि धातु, शीशे, प्लास्टिक और पॉलीथिन को कबाड़ी को बेच दिया जाता है। खाद तैयार होने के बाद उसे सोसायटी के पार्कों को हरा-भरा बनाने में प्रयोग किया जाता है।

कूड़ा निस्तरण के लिए सोसायटी के हर टॉवर में मशीन लगी है। ग्रेनो वेस्ट गौर सिटी समेत गौर सौंदर्यम, गौर स्पोर्ट्सवुड, गौड़ अतुल्यम समेत अन्य बिल्डर परियोजनाओं में भी मशीन लगाई गई है। सभी सोसायटियों में कचरा प्रबंधन किया जाए तो शहर को इस समस्या से मुक्त किया जा सकता है।–**मंजू गौड़**, डायरेक्टर गौर समूह